



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 361]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 16, 1985/श्रावण 25, 1907

No. 361]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 16, 1985/SRAVANA 25, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंस्त्रा वा घटो है जिससे कि यह वस्त्र संकलन के स्वर में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(गजस्त्र विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1985

मं. 262-—मीमा-गुल्म/85

सा.का.नि. 658 (इ) :—केन्द्रीय मण्डार, सं.मा. गुल्म अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपचारण (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि स्वीकृति में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपाधें में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात माल कहा गया है) जब उसका भारत में आवाहन, भारत के बाहर नियर्त के लिए माल का उत्पादन करने के लिए या भारत के बाहर नियर्त के लिए माल के उत्पादन या पैक करने के संबंध में उसका उपयोग करने के लिए या फालटा (ग्र. ए. एल. टो. ए) नियर्त प्रसंस्करण जोन, कलकत्ता जिसे इसमें इसके पश्चात जोन कहा गया है) जिसमें पैरा 4 में विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण संचाक समाविष्ट है भीर जो उस पैरा में दो गई में मालों से पिरा है, के भीतर यन्हिनों हारा ऐसे नियर्त का मंत्रवर्तन करने के लिए किया जाए सं.मा. गुल्म ईरिक अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उस पर उद्घाटनीय सम्पूर्ण सीमा-गुल्म और पश्चात्वर्ती वर्णन अधिनियम

की धारा 3 के अधीन उस पर उद्घाटनीय अतिरिक्त गुल्म से, यदि कोई दो शक्तियों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :-

- (1) आयातकर्ता को उस जोन में विनिर्माण करने वाले एक यूनिट या यूनिटों को स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;
- (2) आयातकर्ता को माल का आयात करने के लिए आवश्यक अनुमति भंजूर की गई;
- (3) आयातकर्ता विकास आयुक्त का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर नियर्त के लिए माल का उत्पादन करने या पैक करने या माल के नियर्त का संप्रवर्तन करने के संबंध में किया जाएगा;
- (4) आयातकर्ता ऐसे प्रथम में और ऐसी रकम के लिए, जो जोन विकास आयुक्त द्वारा विद्युत की जाए, एक बंप्राव नियमादित करने के लिए करार करता है जिसमें वह नियर्त बाध्यताओं का पालन करने और अन्य बालों के साथ-साथ इस अधिसूचना में अनुबंधित शक्तियों का पालन करने के लिए स्वयं की आवश्यकता है;
- (5) आयातकर्ता करार करता है कि वह

(क) माल जोन में साएगा और जोन के अव्वर उसका उपयोग भारत के बाहर नियर्त के लिए माल का उत्पादन करने या

पैक करने या माल के ऐसे निर्यात का संप्रवर्तन करने के संबंध में करेगा;

(ग्र) इस प्रकार उत्पादित या पैक किए गए या भी माल का व्यापारिति, भारत के बाहर नियात करेगा या कम्पार्टमेंटों को प्रशिक्षण देने के लिए ऐसे माल पर उपयोग करेगा या ऐसे माल (या पैकेजों) का उत्तर जाने में विश्व करेगा;

(ग) ऐसे उत्पादन या पैक करने से प्रोटूटून मध्ये अवधियों का जाने के विकास आयुक्त द्वारा अनुमोदित रीति से नियात या व्ययन करेगा;

(6) आयातकर्ता माल के आयात, उपयोग और उपयोग का उसके द्वारा किए गए नियात का समूचित नेतृत्व रखेगा, और ऐसे नेतृत्व समय-समेव पर विकास आयुक्त को ऐसे प्रधरप में और ऐसी अधिकारी से प्रस्तुत करेगा जो उत्तर आयुक्त द्वारा अधिकारित की गई हो;

(7) आयातकर्ता, मांग की जाने पर:

(क) ऐसे माल पर जो ऐसा पूर्जी माल है जिसके बारे में सीमा-शुल्क कलेक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह मान:-

(1) जोन के अन्दर संस्थापित या अन्यथा प्रमुखता किया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अधिकारी के भीतर जिसे सीमा-शुल्क कलेक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि जोन के भीतर उनका उपयोग न किए जाने या उत्तर अधिकारी के भीतर उनका पुनः नियात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः नियात किया गया है;

(2) संस्थापन के पश्चात जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है या जोन के भीतर उपयोग किया गया है;

(ख) पूर्जी माल से चिन्ह ऐसे माल पर जिसके बारे में सीमा-शुल्क कलेक्टर के समाधानप्रद रूप में यह गवित नहीं होता है कि यह मान,-

(1) भारत के बाहर नियात के लिए उत्पादन करने या (जोन के भीतर) माल पैक करने के संबंध में या ऐसे माल के नियात का संवर्धन करने के संबंध में उपयोग किया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अधिकारी के भीतर जिसे सीमा-शुल्क कलेक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उत्तर अधिकारी के भीतर उनका उपयोग न किए जाने या उनका पुनः नियात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः नियात किया गया है;

(2) माल के नियात का संप्रवर्तन करने के संबंध में जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है,

(ग) इस प्रकार उत्पादित या पैक किए गए ऐसे माल पर भारत के बाहर नियात नहीं किया गया है या ऐसे अप्रयुक्त माल पर [जिसके अन्तर्गत ऐसे खाली टांच (कोन), फिरकी और पाल, यदि कोई हो, जाने हैं जो बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त हों] जो ऐसे माल के नियात की तारीख से एक वर्ष की अधिक हो भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अधिकारी के भीतर जिसे सीमा-शुल्क कलेक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उत्तर अधिकारी के भीतर ऐसे माल का नियात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, नियात नहीं किया गया है.

(7) नियात के लिए अपेक्षा नहीं की जाएगी, अर्थात्:-

(क) (i) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकारी के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या अविकारित करे, यदि आयातित माल या विनिर्मित या बहु-पैक किए गए माल की मरम्मत, उनका प्रसंस्करण करने या उनका प्रदर्शन करने के लिए शुल्क के संदाय के बिना अस्थाई-स्थान से जोन से बाहर ऐसे जाने की अनुमति और आयात-कर्ता ऐसी गति और नियन्त्रणों का पालन करने के लिए आवश्यक होंगे;

(9) सीमा-शुल्क कलेक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो आयातित माल के विनिर्मित या बहु-पैक किए गए माल की मरम्मत, उनका प्रसंस्करण करने या उनका प्रदर्शन करने के लिए शुल्क के संदाय के बिना अस्थाई-स्थान से जोन से बाहर ऐसे जाने की अनुमति और आयात-कर्ता ऐसी गति और नियन्त्रणों का पालन करने के लिए आवश्यक होंगे;

(क) ऐसा माल जो आयातकर्ता उसके कर्मचारी या अधिकारी के जानबूझकर किए गए कार्य, उपेक्षा या अविकारित के कारण से अन्यथा नुकसान या अवधियां हुआ हैं और इसलिए जोन के भीतर माल के उत्पादन या पैक किए जाने के लिए प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं हैं;

(ग) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकारी के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या अविकारित के कारण से अन्यथा नुकसान या अवधियां हुआ हैं और इसलिए जोन के भीतर माल के उत्पादन या पैक किए जाने के लिए प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं हैं;

(ग) ऐसे उत्पादन के अनुकाम में उत्पन्न होने वाला स्फ्रेश या अपशिष्ट पदार्थ, यदि ऐसा स्फ्रेश या अपशिष्ट पदार्थ ऐसी सीमा के भीतर है जो केंद्रीय सरकार इस नियन्त्रित विनियिष्ट करे और जो जोन के भीतर नष्ट किया जाए;

(घ) जोन में उत्पादित या पैक किए गए माल के ऐसे नमूने जिनके सीमा-शुल्क कलेक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह इस नियन्त्रित विनियिष्ट करे, परीक्षण के लिए जोन से बाहर भेजने की अनुमति दे और जो ऐसे परीक्षण के दौरान उपयुक्त हो जाए;

(ङ) जोन के भीतर अवधियां या डिजाइन के लिए आयातित माल के नमूने, जो विनिर्माण संक्रियाओं के दौरान टूट गए हैं और जिनका वाणिज्यिक मूल्य तुच्छ हो गया है;

(च) ऐसा माल, जिसका जोन के भीतर कर्मकारों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रयोग किया जाए या जोन के भीतर किसी विनिर्माता की ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए और ऐसे अन्धपत्र के नियात के पर जो सीमा-शुल्क कलेक्टर इस बात को सुनिश्चित करने के लिए विनियिष्ट करे कि इस प्रकार विश्व किया गया माल भारत से बाहर नियात के लिए माल के उत्पादन या पैक करने के सम्बन्ध में या माल के ऐसे नियात का संप्रवर्तन करने में प्रयोग किया जाएगा;

(ङ) जोन के भीतर विनिर्माता माल और जो मरम्मत प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिए अस्थाई-स्थान से जोन से बाहर ऐसे जाने के लिए अनुज्ञात हैं।

(१) नियन्त्रित माल की आवश्यकता नियात के लिए प्रबंधनीय पैरा की शर्त (६) के अधीन नेतृत्व देने के लिए अपेक्षा नहीं की जाएगी, अर्थात्:-

(क) (i) ऐसा माल जिसका आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकारी के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या अविकारित के अन्यथा, नुकसान या अवधि हुआ है और इसलिए जोन के भीतर नष्ट उत्पादन में प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं है, यदि ऐसा माल जोन के भीतर नष्ट हो जाए है या जिसकी भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए ऐसे शुल्क के बराबर संदाय पर जो माल पर उद्धरणीय होता है, यदि माल टीका दिया में

आयातित किया गया होता; जोन में निकासी की जाती है।

(ii) जोन के भीतर भाल के उत्पादन के द्वारा प्रांदूषूत ऐमा स्ट्रैप या अपशिष्ट पदार्थ जो यदि जोन के भीतर नष्ट हो जाए अथवा जिसको भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए ऐसे शुल्क के बराबर संदाय पर जो भाल पर उद्घटित होना, यदि उस स्थप में आयातित किया गया होता, जोन में निकासी की जाती है।

पुनर्नु यदि स्थेप या अपशिष्ट पदार्थ की प्रतिशतता भारत सरकार के वाधिकार्य मंत्रालय की अधिसूचना में, 14/73/82 ई पी जैड, तारीख, 4-1-1985 द्वारा नियुक्त फाल्टा निर्यात प्रसंस्करण जोन बोड द्वारा नियन्त की गई प्रति में विविक हो जाती है तो सूल भाल पर, जिससे स्थेप या प्रोदूषूत हुआ है, उद्घटित शुल्क के बराबर शुल्क, अधिक माला पर प्रसारित किया जाएगा।

(x) बार बार उपयोग किए जाने के लिए उपयुक्त खाली कोन, फिरकियों या पाल, जिनके ऐसे भाल के भारत में आयात करने समय उन पर उद्घटित शुल्क के बाराबर शुल्क का संदर्भ करके भारत के किसी अन्य भाग में उसके उपयोग किए जाने के लिए जोन से निकासी गई है;

(g) जोन के भीतर भाल के उत्पादन के अनुक्रम में निकासी बाली विनियोग, कागज की काटरों और अपशिष्ट पैकिंग सामग्री, जब उसे जीन के सीमा-शुल्क कलबटर द्वारा इस नियमित विनियोग के अनुमार किसी सीमा-शुल्क अधिकारी के अधीक्षण में नष्ट किया जाता है।

(3) इस अधिसूचना में अंतिमिष्ट किसी बाल के होते हुए थों, इसमें दो गई छूट उस भाल को भी लागू होगी जिसका भारत में आयात किए जाने पर जोन के भीतर उत्पादित या विनियमित उत्पाद-शुल्कय भाल के उत्पादन या विनियमित या पैकिंग के संबंध में प्रयोग किया जाता है भले ही उनका भारत में बाहर नियर्यात नहीं किया जाता, किन्तु भारत में किसी अन्य स्थान के लिए केवल उत्पाद-शुल्क और समकक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद-शुल्कय भाल पर उद्घटित शुल्क का संदर्भ करके, समय समय पर यथासंशोधित आयात और नियर्यात नीति के उपान्यंश 15 मार्च, 1985—अप्रैल 1988 की पुस्तक (भाग I) के अधीन और उसके अनुमार तथा ऐसी माला तथा अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए, जो विनियोग की जाए, ले जाया जाता है।

4. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ काला नियात प्रसंस्करण जोन में नियमित संरक्षण संवर्धकों कामे और नीचे विनियोग सीमाओं से विरो हुए स्थान समाविष्ट होंगे:—

संरक्षण संवर्धक:

मोजा बिसरा, जे.एप्प.प्ल सं. 1 पुलिस थाना डायमंड हार्ड

(क) इस क्षेत्र से लगाने वाले ज्ञाट से,

पूर्व: 50, 62, 70, 71, 72, 73, 94, 598, 599, 107, 159, 156, 167, 179, 178, 176

दक्षिण: 440, 441, 442, 444, 443, 1106, 1107, 7, 6, 0, 9 5522, 561,

पश्चिम: 436, 454, 460, 516, 520, 303, 302, 296, 295, 294, 293, 661, 662, 663.

उत्तर: 659, 591, 573, 580.

(ख) उप सं. 1 के भीतर उत्पाद

पश्चिम भंगाल राज्य के 24 परगना जिले में, मोजा बिसरा, जे.एप्प.प्ल पुलिस थाना डायमंड हार्ड में यह कम्पक्षा पल्लन से 45 कि.मी.

दूर है और 3.3 मीटर ऊंची पक्की दीवार किंतु पर ऊंचाई में 15 मीटर कठीने तार सगे हैं जो उत्तर की ओर लगा ग 627 मीटर तक फैली है दक्षिण की ओर 989 मीटर, 400 मीटर पूर्व में और 610 मीटर पश्चिम में अर्यात् कुल लगभग 2626 मीटर से घिरी है।

उपांधेष्ठ

क्रम सं. भाल का बर्णन

1. भृशीनरी।
2. कच्ची सामग्री।
3. मधटक।
4. मशीनरी के फालतू पुज़े।
5. अपने बाली सामग्री।
6. पैक करने की सामग्री।
7. कार्यालय उपस्कर, फालतू पुज़े और उनकी अपने बाली सामग्री।
8. विदेशी भ्रेता के परिवास लेने में असफल होने के कारण या मरम्मत के लिए जोन से नियात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित भाल।
9. ओजार, जिं, गेज, फिल्मकर और उपमाधन।
10. विकास और विविधता के लिए आद्यप्ररूप तकनीकी और व्यापार नमूने।
11. ड्राइंग, ल्यूप्रिट और आट।

[स. 262 सीमाशुल्क/85-फा, सं. 305/35/85-एफटीटी]
सुनील कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 16th August, 1985

NOTIFICATION

No. 262—CUSTOMS/85

G.S.R. 658(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the production of goods for exports out of India or for being used in connection with the production or packaging of goods for exports out of India or for the promotion of such exports by units within the FALTA Export Processing Zone at Calcutta (hereinafter referred to as the Zone) comprising of places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified in paragraph 4, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the second-mentioned Act, subject to the following conditions, namely:—

- (1) the importer has been authorised to establish manufacturing unit or units in the zone;
- (2) the importer has been granted necessary licence for the import of goods;

(3) the importer satisfies the Development Commissioner that the goods so imported will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;

(4) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as has been prescribed by the Development Commissioner of the Zone binding himself to fulfil the export obligations, and to fulfill, inter-alia, the conditions stipulated in this notification;

(5) the importer agrees :—

- to bring the goods into the Zone and use them within the Zone in connection with the production or packaging of goods for Export out of India or with the promotion of such exports of goods;
- to export out of India, all goods so produced or packaged or to use such goods for imparting training to workers or to sell such goods (or packages) within the said Zone, as the case may be;
- to export or dispose of in the manner approved by the Development Commissioner of the Zone all remnants arising out of such production or packaging;

(6) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner, in such form and in such manner as may be laid down by the said Commissioner;

(7) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable :—

- on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - installed or otherwise used within the Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - retained within the Zone after installation or use inside the Zone;
- on goods other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Collector of Customs to have been :—
 - used in connection with the production or packaging of goods (within the Zone) for export out of India or with the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation

thereof or within such extended period as the Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period; allow;

(ii) Retained within the Zone in connection with the promotion of export of goods;

(c) on goods so produced or packaged as have not been exported out of India and on unused goods (including empty combs bobbins or containers, if any suitable for repeated use) as have not been exported, within a period of one year from the date of importation of such goods or within such extended period as the Collector of Customs may on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;

(8) the Collector of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him, permit any goods imported or goods produced or packaged therefrom to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing or display and the importers shall be bound to comply with such conditions and limitations.

(9) subject to the satisfaction of the Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of the following goods, namely :—

- goods lost or destroyed not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent;
- goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent and, therefore, not suitable for use in the production of goods or packaging within the Zone;
- Scrap or waste material arising in the course of such production if such scrap or waste material is within such limits as may be specified in this behalf by the Central Government and destroyed within the Zone;
- samples of goods produced or packaged in the Zone which are allowed by the Collector of Customs to be sent for test outside the Zone subject to such conditions as he may specify in this behalf and which are consumed in the course of such test;
- samples of goods imported for study or design within the Zone, which, in the course of manufacturing operations have been broken up and rendered insignificant in commercial value;
- goods used for importing training to workers within the Zone of goods sold by a

manufacture within the Zone to another manufacturer inside the Zone subject to such conditions, and the execution of such bonds, as may be specified by the Collector of Customs for ensuring that the goods so sold will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such export of goods;

(g) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be taken outside the Zone temporarily for repairs, processing or display.

2. The following goods will not be required to be accounted for under condition (6) of the preceding paragraph by way of export, namely :—

- (a) (i) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence, or default of the importer, his employee or agent and therefore not suitable for use in the production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in sound condition; or
- (ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on the goods if imported in that form :

Provided that if the percentage of scrap or waste material arising in the course of production or packaging of the said goods exceeds the percentage fixed in this regard by the Falta Export Processing Zone Board appointed by the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 14/13/82-EPZ, dated, the 4th January, 1985, the duty equal to that leviable on the mother material, out of which the said scrap or waste material has arisen, shall be charged on the excess quantity

- (b) empty cones, bobbins or containers, suitable for repeated use, and cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on such goods at the time of their importation into India;
- (c) chindies, paper cuttings and the waste packing material arising in the course of production of goods within the Zone, when destroyed under the supervision of an officer of customs in accordance with the procedure specified in this behalf by the Collector of Customs of the Zone.

3. Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of excisable goods produced or manufactured within the Zone and such excisable goods even if not exported out of India, but brought to any other place in India, under and in accordance with the Appendix 15 of the Import and Export Policy Book for March, 1985 to April, 1988 (Vol-1) as amended from time to time, and subject to the quantity and such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Export Commissioner of the said Zone on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

4. For the purpose of this notification the FALTA Export Processing Zone shall comprise of the places bearing the survey numbers and enclosed by the bounderies specified below :—

SURVEY NUMBERS

Mouza : Bisra, J&L. No. 1, P. S. Diamond Harbour

(a) Plot Nos. bordering the Dump Area.

East : 60, 62, 70, 71, 72, 73, 91, 593, 599, 107, 159, 156, 167, 179, 178, 176.

SOUTH : 440, 441, 442, 444, 443, 1106, 1107, 7, 6, 0, 9, 5522, 561.

WEST : 436, 454, 460, 516, 520, 303, 302, 296, 295, 294, 293, 661, 662, 663.

NORTH : 659, 591, 573, 580.

(b) Plots within the Dump No. 1.

1107, 443, 442, 446, 447, 448, 449, 452, 451, 483, 481, 402, 479, 478, 477, 480, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 497, 498, 499, 500, 501, 509, 502, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 601, 602, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 662, 567, 568, 569, 593, 595, 597, 598, 599, 600, 570, 576.

In Mouza Bisra, J. L. No. 1, P. S. Diamond Harbour, in the District of 24-Parganas, State of West Bengal at a distance of 45 Kms from the Port of Calcutta enclosed by 3.3 mtrs. high masonry wall with barbed wire extending upto 15 mtrs. at the top extending over approximately 627 mtrs. on the north, 989 mtrs. on the South, 400 mtrs. on the east and 610 mtrs on the west totalling 2626 mtrs. approximately.

THE ANNEXURE

Sl. No.	Description of Goods	1	2
1	2		
1.	Machinery		
2.	Raw materials.		
3.	Components.		
4.	Spare parts of machinery.		
5.	Consumables.		
6.	Packaging materials.		
7.	Office equipments, spares and consumables thereof.		
8.	Goods re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.		
9.	Tools, Jigs Gauges, Fixtures and Accessories.		
10.	Prototypes, technical and trade samples for development and diversification.		
11.	Drawings, Blueprints and charts.		

[No. 262 Customs/85-F, No. 305/35/85-FTT]

SUNIL KUMAR, Under Secy.